पाठ ५८

1. बड़का भीड यिशुके काहे पछ्याइल ?

   - काहेकि ओकुनीसब यिशु बिमार आदमीसबमे करेला जइसन अउर ज्यादा चमत्कारके काम दिखेके चाही ।

2. जब यिशु आदमीसबके खुवावेलाके सुरु कइलन त वहां केतना रोटीके टुकरे आ मछली रहे ।

   - पांच रोटी आ दु माछा ।

3. पांच रोटी आ दु मछली यिशु केतना लोगके खुवाइलन ?

   - पांच हजार से ज्यादा आतमीके ।

4. पांच रोटी आ दु माछासे पांच हजार से ज्यादा आदमीके खुवावेलाके यिशु कइसन सक्षम रहे ?
   - काहेकि यिशु परमेश्वर बाडै ।
   - काहेकि यिशु सब काम करेके सकेला ।

5. आदमीसब काहे यिशुके राजा बनावेलाके चाही ?
   - काहेकि ओकुनीसब यिशुके हर समय ओकुनीसबके खाना दिएलानस कहके चाहतरनी

6. यिशु काहे आदमीसबके राजा बनेके चाहना ना रखलन ?

- काहेकि यिशुके आदमीके हृदय दुष्ट्याइँसे भर्गेला रहे कहके थाहा रहे ।
- काहेकि यिशुके आदमी केवल वहांसंगे खाना मागल रहे कहके थाहा रहे ।

7. परमेश्वर इस्रेलीसबके मरुभूमिमे दिएवाला मन्न आ यिशु कइसन एगो रहे ?
    - जइसन मन्न स्वरगसे आइल त यिशु भि स्वरगसे आइलरहे ।
    - जइसन मन्न केवल परमेश्वरसे दिअलरहे वइसने यिशु भि केवल परमेश्वरसे दिएवाला रहे ।
    - जइसन इस्रेलीसब मन्नके बिना मरेवाला रहे वइसन आदमीसब भि यिशुके बिना मरेवाला रहे ।

- एकदिन कुछ फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षक लोग यिशु केहां आइलन ।

मर्कुस ७:१५ पढलजाइ

अइसन कउनो आहार नइखे जउन कउनो आदमीके भितर पसेला आ अशुद्ध पारेला बांकी आदमीके भित्रर से बाहर आएवाला बात हि आदमीके अशुद्ध पार सकेला ।

1. फरिसी आ व्यवस्थाके शिक्षकसब यिशुके चेलनसे काहे ना खुश भइल ?

- काहेकि यिशुके चेलासब बुढसब रखेला परम्परा ना मानलन ।

2. बुढलोगके परमेश्वरा कथी रहे ?
    3. ऊ परम्परासब फरिसीसबब बनाइल रहे आ कहलेरहे कि परमेश्वरसे ग्रहणयोग् भइलाके निमित्त ऊ नियमके पालना करेके परि ।

4. का हमनीके परम्पराअनुसार परमेश्वर हमनीके ग्रहण करेला ?
    5. ना ।
    6. काहेकि फरिसीसब अपन रखेला परम्परा कायम रखलन आ विचार करलन कि परमेश्वर ऊ सबके अनुमोदन कइलन ।
    7. यद्यपि फरिसी सब परम्परा बनाइल लेकिन ओकुनीसबके हृद्यम दुष्ट्याँइ रहे ।
5. का परम्परा कायम रखेलाके हमनीके हृदय सुद्ध भइल ?
    6. ना ।
6. यिशु फरिसीसबके कथी जवाफ देलन ?

मर्कुस ७:६ पढलजाइ

यिशु ऊ लोगसे कहलन । यिशैया नवी तोहरा कपटिएनके बारेमे ठीक भविष्यवाणी कइलन जइसन जइसन कि

लिखल बा यि लोग होठसे त हमरा आदर करेलन पर उननीके मन हमरासे दुर रहेला ।

- यिशु फरिसीसके ढोङ्गी कहलन ।

7. ढोङ्ग कथी ह ?

7. ढोङ्गीका मतबल य ह कि जेकराके कहेला आ करेला बात एक ना रहे ।
8. यिशु ए भि कहलन कि ओकुनीसबके बारेमे यशैया नवी कहेला बात सही ह ।

8. यसैया नवी यी आदमीसबके बारेमे कथी कहलनस ?

9. यशैया नवी यी आदमीसबके ओकुनीसबके होठसे परमेश्वरमे विश्वास करेला कहलन बाकी ओकुनीसब हृदय परमेश्वरसे बहुत दूर भइल रहे कहेलस ।

9. ओकुनीसबके मुहमे सिर्फ परमेश्वरके विश्वास करेला कहेवालाके का परमेश्वर स्वीकार करेला ?

10. ना ।

10. यिशु अउरो थप कउन बात फरिसीके कहलन ?

आवलजावो मर्कुस ७:७-९ पद पढलजाइ ।

अउर यि बेकार हमार भक्ति करेलन काहेकि आदमीयनके हुकुमके धरम क उपदेश करके सिखावेला काहेकि तुमलोग परमेश्वरके हुकुमके तुरके आदमीयनके रीतिके मान ल अउर यिशु

उननीसे कहलन तोहन लोगके आपन रीतिके मानेके खातिर परमेश्वरके रीति कइसन चालाके तुरदेहलजा ।

11. यिशु कहलन फरिसीसब परमेश्वरके आराधना व्यस्थमे करेला ।

11. फरिसीसब परमेश्वरके पूजा कइसन व्यर्थमे करेला ?

12. काहेकि परमश्वर ओकुनीसबके पूजा स्वीकार ना कइलन ।

12.का परमेश्वर आदमीसबके ओकुनीसबके परम्परा वहांके पुस्तक बाइबलमे रखो कहके चाहेला ?

13. ना ।

14. हमनी परमेश्वर बाइबलमे कहेवाला बातमे कुछ भि थपघट ना करेके परी

15. यिशु फरिसीसबके ए कहेलाके बाद भीड वहांके बुलाइलन ।

मर्कुस ७:१४-१५ आ १७-१९ पढलजाइ

अउर ऊ लोगके अपना लगे बोलाके व लोगसे कहलन तु लोग हमार सुन जा अउर सम्झ जा अयसन त कउनो चिज नइखे जउन आदमीमे बाहरसे समाके अशुद्ध करे । बाकी जउन चिज

बदमीके भितरसे निकले उहियो करेका अशुद्ध करेला ।

जब यिशु भिडके छोडके घरमे गइलन त उनका चेलालोग ए दृष्टान्तके बारेमे उनकरासे पुछलन । ऊ व लोगसे कहलन । का तु लोग भि अइसन ना समझ बाड लो ? का तुलोग नइखजा समझ त कि जउन चिज बाहर से भितर जाला ऊ णकराके अशुद्ध ना करेला । काहकि ओकरा मनमे ना बाँकी पेटमे जाला । अउर पखालासे बाहर निकलजाला । यि कहके ऊ सब खानाके शुद्ध ठहराइलन ।

13.भीडके यिशु कथी कहलन ?

16. बाहरसे घूसेवाला कउनो चिज मानिसके अशुद्ध नइखे पारेला कहलन ।

14. यिशु अयइसन कहलनका मतलब कथी ह ?

- मानिस अशुद्ध हाथ अउर अशुद्ध खानासे अशुद्ध नइखे होवेला कहके यिशु कहलन ।

15. अशुद्ध हाथ अउर अशुद्ध खाना खाइके आदमीसब काहे अशुद्ध नइखे होवेला ?

- काहेकि अशुद्ध हाथ या खाना हमनीके हृदय ना छोवेला ।
- यिशु कहलन अशुद्ध हात या अशुद्ध खाना हमर पेटमे पुगेला आ खलास भवेला हमनीके हृदयमे ना छुवेला ।

16. हमनी कथी खाएला बात से परमेश्वरके स्वीकारयोग्य बनेला ?

- ना ।

17. हमनी कथी ना खाउला बातसे परमेश्वरके स्वीकारयोग्य बनेला ?

- ना ।

18. हमनी कथी पहनेला बातसे परमेश्वरके स्वीकारयोग्य बनेला ?

- ना ।

19. हमनी कथी ना पहनेला बातसे परमेश्वरके स्वीकारयोग्य बनेला ?

- ना ।

20. यिशु अउर कथी कहलन ?

मर्कुस ७:२०-२३ पद पढलजाइ

फेर ऊ कहलन । जउन आदमीमेसे निकलेला उहे आदमीके अशुद्ध करेला । काहकि जेकर माने आदमीके भितरसे खराब भिगेल व्यभिचार चोरी हत्या दोसरा मेहरारूको बुरा निराह डालन लालच बदमासी छल लुचपन खराब बिचार सिकायत घमण्ड मुखर्ता निगलेला । यि सब खराब खराब बिचा भितरसे निकलेला आ आदमीके अशुद्ध करेला ।

21. कउन बात आदमीके अशुद्ध पारेला कहके यिशु कहलन ?

- आदमीके भितर जउन बात बा ऊ आदमीके अशुद्ध पारेला कहलन ।

22. आदमीके भितर का रहे जेकरा आदमीके अशुद्ध पारेला ?

- वोकर हृदय ।
- काहेकि आदम आ हब्वा अदनके बगैंचामे पाप कइलन स वइसहे ओकुनीसबके हृदय अशुद्ध भइल ।
- कयिन आ हाबिल अशुद्ध हृदयमे जन्मल रहे ।
- अब्राहाम इसहाक याकुब सब लोग अशुद्ध हर्द्यमे जनमलरहे ।
- सब आदमीस अशुद्ध हृद्यमे जनमेला ।
- काहेकि सब आदमीसब अशुद्ध हृदयमे जन्मेला ऊ अशुद्धता हमनीके हृद्यसे आवेला ।

23. का यिशु हमनीके हृदय दिखेला ?

- हां ।
- परमेश्वर हमनीके हृद्यमे रहे सब अशुद्धता दिखसकेला ।

24. हमनी सबके हृदयमे रहेला दुष्टयाँइ कथी ह ?

- दुष्ट विचार रन्डबाजी चोरी हत्या व्यभिचार लोभ दया ना होवेला छल अश्लीलता इर्ष्या अनादर आ मुर्ख्याइँ ।

- ओकराके बाद यिशु एगो दृष्टान्त कहलन ।

मर्कुस ११:९-१२ पद पढलजाइ ।

अउर हम तोहन लोगनसे कहतनी कि माग द देवलजाइ खोज त तु पइव खटखटाव त तोहराखातिर खोललजाइ । काहेकि जे केहु मागेला व के मिलेला । अउर जे के हु खोजेला व पावेला । अउर जे खटखटावेला ओकराखातिर खोललजाववेला । तोहरामेसे अइसन के बाप होइ कि ओकर बेटा जब रोटी मागे तब ओकराके मठल दिइ या मछली मागे त सांप दिइ ? आ अन्डा मागे तो बुछ्छु दीइ

25. यिशु कहेवाला दृष्टान्तमे प्रार्थना करेला मन्दिरमे गएवाला दुगो आदमी कउन बा ?

- एगो फरिसी आ दोसर चुङ्गी लेएवाला ।

26. फरिसी आपनके बारेमे कथी सोचलन ?

- ओकराके लगेलु कि ओकर हृदय शुद्ध बा ।

27. फरिसीके काहे ओकर हृदय शुद्ध बा लगेला ?

- काहेकि ऊ अपन पुर्खाके परम्परा धानत रहे ।
- काहेकि ऊ हप्तामे दुगो दिन उपवास बैठलरहे ।
- काहेकि ऊ आपन कमाइके दशांश मन्दिरमे दिअल रहे ।
- फरिसी लोग बहुत घमण्डी रहे ।

- ऊ सोचत रन कि ऊ एकदम अच्छा आदमी बा ।
- ऊ सोचत रनी कि ऊ करेवाला सब काम अच्छा बा ।
- ऊ सचोत रनी कि ऊ अउरो लोगसे ज्यादा अच्छा बा ।
- फरिसी ए ना सोचल रहे कि ओकराके कउनो उद्धारकर्ताके जरुरी बा ।

28. चुङ्गी लेवेवालाके बारेमे का बात रहे ?

लुका १८:१३ पढलजाइ

दुगो आदमी मन्दिरमे प्रर्थना केर खातिर गइलन स । एगो फरिसी रहे अउर दोसर चुङ्गी लेवेवाला फरिसी खडा होकर अपनेमे अइसन प्रर्थना करे लागल । हम अउर लोगनके अइसन लालची बेमान ब्यभिचारी नइखे । अउर ना ए चुङ्गी लेवेलाला अइसन बानी । हम हपत्मे दु बार उपवास करेला । अउर अपना सब कमाइके दशवा हिस्सा भि देला ।

बाँकी चुङ्गी लेवेवाला दुरै खडा होके स्वरगके ओरी आखू ना उठावल अपना छाती पिटपिटके कहलन । हे परमेश्वर हम पापी बानी हमरापर दाया कर ।

29. चुङ्गी कर लेवेवाला आपन बारेमे कथी बिचार करलन ?

- ऊ जानत रहे कि ओकर हृद्य अशुद्ध बा ।

30. चुङ्गी लेवेवालाके ओकर हृदय अशुद्ध बा कहके कइसन थाहा रहे ?

- काहेकि ओकराके दुष्ट विचारसब आपन हृदयमे बा कहके थाहा रहे ।
- चुङ्गी लेवेवालाके ऊ पापी बा कहके थाहा रहे आ ऊ आपन परमश्वरके विरुद्धमे पाप कइला कहके भि थाहा रहे ।
- ओकराके ऊ खुद आपन हृदद साफ कर ना सकेला कहके थाहा रहे ।
- ओकराके पापके दण्ड मृत्य ह कहके थाहा रहे ।
- कर सङ्कलक परमेश्वरके बचाइदेवो कहक पुकार करत रनी ।

31. ओकराके बाद यिशु कथी कहलन ?

लुका १८ :१४ पढलजाइ

हम तुह लोगनसे कहतनी ऊ फरिसी ना बाँकी एहे चुङ्गी लेवेवाला धर्मी ठहरावल । जाके अपना घरमे कही काहेकि जे के ऊ अपना बढ़का बनाइ ऊ छोट कइल जाइ । अउर जे के अपनाके छोट बनाइ ऊ बड कइल जाइ ।

32. का परमेश्वर फरिसीके स्वीकार करलन ?

- ना ।

33. परमेश्वर काहे फरिसकीके स्वीकार ना कइलन ?

- काहेकि फरिसी ओकराके हृद्य अशुद्ध बा कहके स्वीकार ना कइलन ।
- काहेकि फरिसी ऊ परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेला कहके स्वीकार ना कइलन ।

34. का परमेश्वर चुङ्गी लेवेवालाके स्वीकार कइलन -

- हां ।

35. परमेश्वर चुङ्गी लेवेवालाके काहे स्वीकार कइलन ?

- काहेकि चुङ्गी लेवेवालाके ऊभितर अशुद्ध आत्मा बा कहके थाहा रहे ।
- काहेकि चुङ्गी लेवेवालाके परमेश्वरके विरुद्धमे पाप करेला बात थाहा रहे ।

  काहेकि चुङ्गी लेवेवाला हमनीके बचादिअल कहके परमेश्वरसंगे बिन्ती करलन स ।

36. दृष्टान्तके अन्तमे यिशु कथी कहलन ?

- यिशु कहलन कि जउन खुदके वहांके सामने विनम्र बनाएला ऊ परमेश्वरमे उपर लिएला ।
- लेकिन जउन परमेश्वरके सामने खुदके प्रसंसा करेला त वकराके परमेश्वर ना मन परावेला ।